मोहयाल मित्र

मोहयाल आश्रम वृंदावन

भारत में श्रीकृष्ण जी से सम्बन्धित तीन पुण्य स्थल हैं। प्रथम–ब्रज भूमि जहाँ उनका जन्म हुआ और उन्होंने बाल–लीलाएँ की। दि्वतीय–द्वारका (गुजरात), यादवों का नर–संहार रोकने के लिए, वे द्वारका चले गए। वहीं उन्होंने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया। तृतीय–कुरूक्षेत्र, महाभारत युद्ध के नायक, दुष्ट संहारक, योगी राज कृष्ण कहलाए, गीता का उपदेश दिया।

इन पुण्य क्षेत्रों में सर्व–प्रमुख ब्रजभूमि है। ब्रजभूमि के अंर्तगत मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन आदि आते हैं। मथुरा श्रीकृष्ण जी की जन्म स्थली है। गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन आदि में उन्होंने बाल–लीलाएं की। माता–पिता को कारागार से मुक्त करवाया। दुष्ट कंस का संहार किया। प्रलय के समय बाल गोयालों व गौ धन की रक्षा की। मथुरा के प्राचीन धार्मिक स्थल लगभग खंडहर हो चुके हैं परन्तु नए–नए मन्दिरों व आश्रमों का निर्माण हो रहा है। मथुरा से लगभग 15 कि.मी. पहले 'आश्रम विहार' नामक बहुत बड़ा क्षेत्र विकसित हुआ है। यह छटीकर रोड पर नए वृंदावन के अंतर्गत है। इस क्षेत्र में कई आश्रमों का निर्माण हुआ है। इन्हीं आश्रमों में मोहयाल बिरादरी का 'अपना घर' अर्थात् 'मोहयाल आश्रम' है। वैसे ऋषि मुनि आश्रम उसे कहते थे, जहाँ बहुत श्रम या मेहनत करनी पड़े। परन्तु आधुनिक आश्रमों में आप को मेहनत करने की जरूरत नहीं। यहाँ आपको पूरी सुख–सुविधाएँ मिलेंगी। ए.सी. कमरे हैं, स्वादिष्ट भोजन मिलेगा, यदि समय पर सूचित कर दिया जाए तो आपको शिकायत का अवसर नहीं मिलेगा। वृंदावन आश्रम के अलावा गोवर्धन में भी "मोहयाल आश्रम" है। वहाँ भी पूरी सुविधाएँ हैं।

मैं 4 जून से 8 जुलाई, 2014 तक 'मोहयाल आश्रम वृंदावन' में रही। कुछ दिन मेहता एन.के. दत्त मैनेजर रहे, उनके बाद श्रीमती आशा मेहता व उनके पति श्री सतीश कुमार आ गए। दूसरे कार्यकर्त्ता श्री राजेश शर्मा जी हैं। श्रीमती कामिनी व उनके पति श्री रोहित जी पर रसोई घर संभालने की जिम्मेवारी है। इन सभी से मुझे बहुत स्नेह व आदर मिला। शान्त वातावरण में मेरा इतना मन लगा कि वहाँ से लौटने को दिल नहीं करता था। श्री कामरान दत्त चार बार आश्रम में आए। उनकी माता जी श्रीमती सावित्री दत्त व पत्नी मधु दत्त भी मुझे मिलने आगरा से आई। वीरेश दत्त व ईवा, मुम्बई से श्री अनिल मोहन दिल्ली से पहुँचे। रिट. डी.आई.जी. श्री के.के. वैद व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शशी प्रभा वैद (रि. एसो.प्रो. दिल्ली वि.वि.) मिले। इन लोगों के अतिरिक्त भोपाल, दिल्ली, गुड़गाँव, जालंधर, लुधियाना, कठुआ से आए मोहयाल मिले। सोनीपत से श्री बी.बी. अरोड़ा व उनकी बहिनें लुधियाना से आई थी। जीवन के बहुत वर्ष हमने लुधियाना में बिताए हैं। अतः उनके परिचित लोग हमारे परिचित भी थे। उनका कुशल क्षेम पूछ कर अच्छा लगा।

13 जून से 17 जून तक अम्बाला से हमारे बच्चे भी ब्रजभूमि के दर्शन करने पहुँच गए। उनके साथ मैंने भी 4–5 दिन भ्रमण कर लिया। बाकी दिन तो आश्रम के भीतर ही रही। वृद्धावस्था मेरे जैसी घुमक्कड़ के लिए अभिशाप है।

बच्चों में से रक्षित, पार्थ व गद्दी विशेष लगे। रक्षित आश्रम में पहुँचते ही पैरी पौना के साथ "राधे, राधे" कहना सीख गया। पार्थ के माता–पिता को खुश किस्मत कहूँगी, ऐसा होनहार बच्चा किसी–किसी को ही भगवान देता है। ऋद्धि मोहयाल कालोनी गुड़गांव से आई थी। एक बार ही पहले मिली थी। परन्तु उसने मुझे पहचान लिया। अच्छा, एक बार ब्रजभूमि के दर्शन हेतु आइए। आपके अपने घर "मोहयाल आश्रम" में आपका विशेष स्वागत होगा।

–लज्जा देवी मोहन *(मो. 09671432717)*

मेरी माँ विद्यावती

मेरा विवाह जुलाई, 1945 ई. में हुआ। माता जी, (मेरी सास) श्रीमती दुर्गावती ने मुझ से कहा, "तुम 7–8 वर्ष की थी, जब मैंने चाची जी से तुम्हारा रिश्ता मांगा था। मुझे पता नहीं था, कि तुम्हारा स्वभाव कैसा होगा। परन्तु चाची जी को मैं जानती थी, उन्होंने जिस तरह अपनी सख्त स्वभाव वाली सास से गुज़ारा किया था, ऐसी कोई विरली ही पुत्र वधु होती है।" माताजी मेरी माँ को चाची जी व मेरे पिताजी को चाचाजी कहती थी। उनका मानना था कि अक्सर बेटियाँ माँ पर जाती हैं।

माँ विद्यावती बहुत शान्त स्वभाव की थी। उन्होंने कभी भी मानसिक व शारीरिक रूप से किसी को दुखी नहीं किया था। विवाह से पूर्व उन्होंने पांचवी कक्षा पास की थी। उर्दू सरकारी भाषा थी। अतः भाई ने उन्हें उर्दू भाषा भी सिखा दी थी। विवाह के बाद उन्होंने पिता जी से पंजाबी भाषा गुरूमुखी लिपि में सीख ली। जपुजी साहिब व गुरुवाणी का पाठ वह प्रतिदिन करती। अन्य धार्मिक ग्रन्थों में भी उनकी विशेष रूचि थी। राम–चरित–मानस व गीता का सस्वर पाठ करती थी।

विवाह से पूर्व वह कढ़ाई, सिलाई, स्वैटर बुनने, क्रोशिया आदि सीखी हुई थी। बाद में दरियां व निवार बुनना भी सीख गई। गाँव की सभी लड़कियां यह काम करती थी।

माँ सभी कार्यों में निपुण थी, परन्तु रसोई के काम में उनका मन क्यों नहीं लगता था, यह में बहुत देर बाद जान पाई। माँ उस परिवार से थी, जिसमें प्याज, लहसुन भी रसोई में नहीं आने दिया जाता था। परन्तु विवाह उस परिवार में हुआ, जहां प्रतिदिन मुर्गा का मांस बनाया जाता, या बकरे के मांस की पार्टी दी जाती। मां बताती है,

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

"जिस समय माँस पक रहा होता था, मैं चूल्हे के पास भी खड़ी नहीं हो पाती थी। मुझे बड़ी बू आती थी। सोचती थी, नाक, मुंह बंद करके कहीं छुप कर बैठ जाऊँ।"

बर्तन साफ करना भी मां के लिए जोखिम भरा काम था। पहले दिन प्रकाश (ताया जी की बेटी) को कहा, "बर्तनों में से हड्डियां निकाल कर फेंक दो, फिर में उन्हें साफ कर दूंगी।" मेरे पिताजी ने यह बात सुन ली और माँ को डांटते हुए बोले, तेरी हिम्मत कैसे पड़ी, हमारी बेटी को यह कहने की, कि बर्तनों से हड्डियां निकाल दो। यह काम तुम्हें करना पड़ेगा। हमारे घर की बेटियां जूठे बर्तन साफ नहीं करती।

माँ कहती है, जैसे तैसे मैंने बर्तन साफ किए और घर के एक कोने में बैठकर रोने लगी। उस समय बुआ मूला देवी पास नहीं थी। बुआ को मां के साथ पूरी हमदर्दी थी। रसोई का काम अधिकतर वही करती थी। बुआ का पति श्री कालिदास मोहन साधु हो गए थे। अतः वह अपने मायके ही रहती थी। माँ का काम बच्चों को नहलाना, धुलाना, स्कूल के लिए तैयार व कपड़े धोने आदि का था।

एक दिन माँ बरामदे में पलंग पर लेटी थी। बरामदे की छत नीची थी। शहतीर के ऊपर सांप लटक रहा था। घर में उस समय कोई नहीं था। यदि वह उठती है तो सांप की पूंछ छू जाने से सांप के गिरने का डर था। पलंग के पास ही एक छड़ी पड़ी थी, उसने छड़ी से सांप के सिर को शहतीर के साथ इतने जोर से दबाया कि वह नीचे न गिर सके। ताया जी से मां बोलती नहीं थी, घूंघट निकालती थी। परन्तु बुआ जी के बेटे बलदेव को ऊँची–ऊँची आवाजें देने लगी। ताया जी कुछ दूर बैठक में लेटे थे। वे आ गए। माँ ने एक हाथ से सोटी पकड़ी, दूसरे से अपने मुंह पर दुपट्टा डाल लिया। तायाजी ने मां से सोटी पकड़ते हुए कहा, "अब उठ जाओ, विद्यावती, तुम बड़ी बहादुर हो।" कुछ ही समय में सारे गांव में बात फैल गई, और लोग माँ को कुशल समाचार पूछने घर पर आने लगे।

माँ को पढ़ने और पढ़ाने का बहुत शौक था। एक दिन एक नव–विवाहिता लड़की अपने फौजी पति की चिट्ठी लेकर माँ के पास पढ़ाने के लिए आई। मां को उस का पत्र पढ़ना अच्छा नहीं लगा। उसने लड़की को मेरी कापी पर गुरुमुखी की वर्णमाला लिख दी और उसे पढ़ाना शुरू कर दिया। लगभग एक मास में उस लड़की ने पढ़ना और चिट्ठी लिखनी सीख ली। उसके देखा देखी और लड़कियां भी मां के पास पढ़ने के लिए आने लगी। बच्चों को पढ़ाने का काम उन्होंने बुढ़ापे में जारी रखा। उनकी मृत्यु के कई वर्ष बाद तक लोग उन्हें याद करते थे, "जब तक चाची जी रही, हमने छोटे बच्चों की कमी ट्यूशन नहीं रखी थी।

माँ का दिमाग कम्प्यूटर की तरह था। एक बार जो बात सुन लेती, वह कभी भूलती नहीं। हमारे बाहर के अहाते में ताई फातिमा रहती थी। वह दाई का काम करती थी। गाँव में जिस परिवार में बच्चे का जन्म होता था, ताई बच्चे के जन्म का समय बताती। मां ने कभी भी डायरी पर नोट नहीं किया था। उन्हें गांव के सभी बच्चों के जन्म समय, तिथि, वर्ष आदि याद थे। जब भी किसी बच्चे की आयु का पता करना होता था, वे माँ से पूछते। गांव में माँ की सभी प्रशंसा करते, वह एक सुशिक्षित बहू थी, उसे सभी बच्चे चाची कहते थे।

माँ की माता का नाम प्रेमवती था। वह गुजरात (अब पाक.) के एक दत्त परिवार से थी। मां के पिता रायज़ादा घसीटा राम बाली मनावरी तवी (पाक अधिककृत) के साहूकार थे। मनावर में उनकी दुकानें, ज़मीन व हवेली थी। उनके तीन भाई व एक बहिन थी। उनका जन्म अक्तूबर 1905 में हुआ। सन् 1907 में भयानक महामारी फैली, जिसने इस खुशहाल परिवार को लगभग खत्म कर दिया। मां के पिता, दो भाई व जीजा चल बसे। मां प्रेमवती के ऊपर गम का पहाड़ टूट पड़ा। कुछ समय के बाद उसने हिम्मत बटोर ली, और जिम्मेवारी निभाने लगी। उसने बेटे मुलखराज को दसवीं कक्षा तक तथा बेटी को पांचवी कक्षा तक पढ़ाया।

नानी के पास मैंने बचपन के कई वर्ष बिताए। वह मुझे श्रीराम, श्रीकृष्ण व हनुमान जी की कथाएं सुनाती थी, कहती थी, उन्होंने ही मुझे हिम्मत दी, जिससे में अपने बच्चों को संभाल सकी। मुलखराज 12 वर्ष का था, जब उसका विवाह मनावर के एक दत्त परिवार की बेटी से हो गया था। 19 वर्ष तक होते ही उनकी दो बेटियां व पत्नी मर चुकी थी। उनकी गृहस्थी उजड़ चुकी थी। उनकी सर्विस अमृतसर लग गई थी। वहीं वे माँ और बहिन को लेकर रहने लगे। वैसाखी 1919 ई. में जिस दिन जलियां वाला बाग हत्याकाण्ड हुआ था वे वहीं थे। गोलियां चलने से कुछ मिनट पहले ही मां ने उन्हें किसी को भेज कर बुला लिया था।

1921 ई. में मां का विवाह बहिन चनन देई के जेठ (रिश्ते में) के बेटे मेहता बलवन्त सिंह दत्त (सुपुत्र मेहता निरंजन दास दत्त) के साथ हो गया। माँ के विवाह के बाद रायज़ादा मुलखराज बाली अपना पैतृक घर (मनावर तवी) छोड़ कर जम्मू तवी बस गए। वे मृदु भाषी जन्मजात कलाकार थे। नानी प्रेमवती की मृत्यु जून 1943 में हो गई थी। उनके बाद रायज़ादा मुलखराज बाली भी बीमार रहने लगे। सन् 1946 में माँ उन्हें अपने पास समुंद्री ले आई। वहीं जून में उनकी हृदयगति रुकने से देहान्त हो गया। मां के लिए यह गहरा सदमा था।

माँ आदर्श बहु ही नहीं, आदर्श सास भी थी। उनकी तीन बहुएं अभी भी उनकी प्रशंसा करती हैं, कि ऐसी शान्त स्वभाव की सास विरली ही होती है।

-लज्जा देवी मोहन *463–एल, मॉडल टाऊन पानीपत*
(मो. 09671432717)

ब्राह्मण

स्मृतियों के अनुसार महात्मा ब्राह्मण के छः कर्म कहे गए हैं, जो इन कर्मों में निरन्तर लगा रहता है, वह सुखी रहता है। ये छः कर्म हैं– पढ़ना, पढ़ाना, यज्ञ करना और यज्ञ कराना, दान और प्रतिग्रह।

पढ़ाना तीन प्रकार का है– धर्म के लिए, धन के लिए और सेवा के निमित्त। जो ब्राह्मण इन तीनों में से एक भी नहीं करता, वह वृथा धारी कहलाता है। ऐसे कर्म तीन ब्राह्मण को दान नहीं देना चाहिए। उसे धन का दान तो क्या, विद्या दान भी नहीं करना चाहिए।

श्रुति और स्मृति ब्राह्मणें के दोनों नेत्र परमेश्वर के बनाए हैं। श्रुति या स्मृति रूपी एक नेत्र के बिना वह काना है। और इन दोनों से जो हीन है, उसे अंधा कहते हैं।

पराशर, अत्रि स्मृतियों में लिखा है, "जिस ग्राम में वेद–अध्ययन से हीन ब्राह्मण भिक्षा माँगते हैं। राजा उस गाँव वासियों को दण्ड दे, क्योंकि वह ग्राम चोरों को भात देता है।"– *स्मृतियों से उद्धत–लज्जा देवी मोहन*

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

"एक हकीकत"

गरीब की बेटी

गम! गरीब इल्फाज़ में अपना बात सकते नहीं
जख़्म सीना चीर कर अपना दिखा सकते नहीं
हर गरीब इंसान को ये मसला दुश्वार है
लेने देने की जहेज पेशे नज़र रफ्तार है
खूने–दिल अपना पिलाकर पालते हैं बाप माँ
तब कहीं लड़की भी हो पाती है मुश्किल से जवाँ
सब जमानों से है बदतर आज का रस्मो रिवाज़
एक निर्धन के लिए है दुश्मने जानी समाज
वो कुँवारी कन्या माँ बाप हैं जिसके गरीब
आज के दौरे समाजी में है सब से बदनसीब
एक लम्हा चैन से जीवन बिता सकते नहीं
पेट भर आराम से रोटी भी खा सकते नहीं
या तो गुरबत में खुदा इंसान को बेटी न दे
और अगर दे भी दे तो फिर तकदीर की हेटी न दे
ये न हो कि दहेज़ के कारण वो विन ब्याही रहे
और गुरबत की दिलोजान पर घटा छायी रहे
ये न हो हो जाए उसकी जिन्दगी सारी खराब
ये न हो जीना उसे हो जाए दुनिया में अज़ाब
आज जोश है जरूरत ला समाजी इन्कलाब
हो गरीबों का भी जीवन इस जहाँ में कामयाब

–चौधरी जी.एल. दत्ता 'जोश' *(मो. 9990099433)*

सान्वी बाली को बधाई

दिनांक 7.06.2014 को सान्वी बाली पुत्री श्रीमती कविता बाली एवम् पराग बाली पौत्री श्रीमती विमलेश बाली का प्रथम जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सभी परिवार वालों व दोस्तों के साथ मनाया गया। इस जन्मदिन के शुभ अवसर पर सान्वी के सभी रिश्तेदारों व दोस्तों ने देर रात डांस पार्टी का मजा लिया और स्वादिष्ट खाने का आनंद उठाया। इस शुभअवसर पर सान्वी की दोनों बुआओं, मासी, मामा, मामी व नानाजी एवम् अन्य रिश्तेदारों ने सान्वी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सान्वी के नाना जी ने 100 रु. मो.सभा व 100 रु. शिक्षा निधि में दान किए।*–पराग बाली, ऋषिकेश, मो. 0783003323*

बधाई

कु. दिव्या छिब्बर (चीन) सुपुत्री अरुण छिब्बर एवं नीरू छिब्बर पौत्री जगमोहन छिब्बर, संतोष छिब्बर निवासी शंकर नगर दिल्ली–51, दोहती स्व. देवेश्वर लाल बख्शी, उमा बख्शी (सहारनपुर) ने दिल्ली आई.पी. यूनिवर्सटी से बी.बी.ए. (जनरल) 80 प्रतिशत लेकर पास की इस शुभ अवसर पर 250 रु. जीएमएस शिक्षा फंड में मामा रवि बख्शी पत्रकार ने भेंट किए।

एक दुआ माँगते हैं हम अपने भगवान से,
चाहते है आपकी खुशी पूरे ईमान से,
सब हसरते पूरी हो आपकी
और मुसकराए दिलो–जान–से–हार्दिक शुभकामनाएं।

विनय मामा–प्रीति मामी, प्रतीक छिब्बर, करन बख्शी, मानसी, रिया बख्शी–रवि बख्शी, पटेल नगर, सहारनपुर।

उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण

बेबी यशिका बाली ने कक्षा चार में 99 प्रतिशत ए प्लस ई मैक्स इन्टर नेशनल स्कूल बधौली, तह. बराड़ा, जिला अंबाला हरियाणा से उत्तीर्ण होकर कक्षा पाँच में हो गई। बेबी यशिका बाली गांव–गोला डाक. नोहनी, तह. बराड़ा, जिला अंबाला के निवासी स्व. श्री सूर्य प्रकाश बाली जी एवं श्रीमती सुषमा बाली जी की सुपुत्री है तथा श्रीमती कमलेश बाली जी एवं स्व. श्री कुलबीर बाली जी गाँव–डमेली श्री तीर्थराम बाली, जिला लायलपुर (पं. पाक.) की पौत्री है। तथा श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा जी एवं श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा गांव डेरा सलीमपुर, त. बराड़ा की दोहती है।

इस खुशी के शुभ अवसर पर सभी बाली परिवार के सदस्यों ने बेबी यशिका को आशीर्वाद दिया। दादी श्रीमती कमलेश बाली ने जीएमएस को 201 रु. शिक्षा फंड में दान दिए।

■ **बेबी जेसमीन दत्ता** ने कक्षा चार में ए प्लस 98.7 प्रतिशत अंक प्राप्त करके कक्षा पांच में हो गई। गौरतलब है कि बेबी जेसमीन दत्ता संत फरीद पब्लिक स्कूल मंडी गोविंदगढ़, जिला फतेहगढ़ साहिब (पंजाब) की छात्रा है। बेबी जेसमीन दत्ता गाँव–अजनाली डाक. मण्डी गोविन्दगढ़ साहिब, पंजाब के निवासी श्री राजीव दत्त एवम् श्रीमती रेखा दत्ता तथा श्री दर्शनलाल दत्ता की पौत्री है। तथा श्रीमती प्रवीण भीमवाल एवं मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल गांव भंगर

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

खेड़ा, तह. अबोहर, जिला फाजिल्का (पंजाब) के निवासी की दोहती है।

इस खुशी के अवसर पर सभी दत्ता परिवार के सदस्यों ने बेबी जेसमीन को आशीर्वाद दिया, और पिता श्री राजीव दत्ता ने जीएमएस के एजूकेशन फंड के लिए दो सौ एक रुपए भेंट किए।

–मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान मो.स. अबोहर, मो. 9780160085*

बधाई

श्री सी.पी. दत्ता 53, जे. एक्टेंशन, लक्ष्मीनगर दिल्ली–110092 फोनः 22532481 को शादी की सालगिरह पर बहुत–बहुत बधाई। भगवान उनका स्वास्थ्य सदैव अरोग्य रखे। इस अवसर पर श्री सीपी दत्ता जी ने दो सौ एक रु. जीएमएस को और दो सौ एक रुपए यमुनापार, दिल्ली को भेंट किए।

■ आदरणीय बाली जी

चान्द से बढ़ कर रोशनी हो तुम्हारी,
सितारों से बढ़ कर उमर हो तुम्हारी,
हर पल नयी खुशी मिले तुम्हें,
यही परमात्मा से कामना है मेरी।

जन्म दिन की आपको तथा आपके परिवार को बहुत–बहुंत बधाई

–शुभ चिंतक–सी.पी. दत्ता, लक्ष्मीनगर, दिल्ली, दू.भा. 22532481

सहायता

आदरणीय पूज्यनीय पिता जी **स्व. मनमोहन छिब्बर** एवं आदरणीय पूज्यनीय माता जी **स्व. केसरी देवी** की प्रेरणा से आर्थिक रूप से निर्बल मोहयाल कन्याओं के विवाह हेतु 10,000 रुपए की कन्यादान राशि दी जाएगी।

राशि प्राप्त करने हेतु मोहयाल सभा (यमुनापार) का सदस्य तथा निमंत्रण पत्र पर सभा का अनुमोदन अनिवार्य होगा।

इसी प्रकार आर्थिक रूप से निर्बल मोहयाल भाई–बहनों (यमुनापार) को संस्कार हेतु रुपए 5,000 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी।

संपर्क करें–श्री चन्द्रमोहन छिब्बर एवं श्रीमती चंचल छिब्बर तथा श्री जसबीर बक्शी, सचिव, मो.स. यमुनापार, दिल्ली, मो. 9250185330

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

पांवटा साहिब

दिनांकः 13.07.2014
स्थानः निवास स्थान श्री परवीन कुमार दत्ता, न्यू कालोनी, धौला कुँआ (पांवटा साहिब)
उपस्थितः 24
अध्यक्षताः श्री सूरज प्रकाश बाली, प्रधान

गायत्री मंत्र व मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई, पिछले माह की कार्यवाही पर सभी ने अपनी सहमति दी।

सभा में बताया गया कि विद्यार्थीयों के वित्तीय सहायता के लिए फार्म अभी स्कूलों में छुट्टियां होने की वजह से नहीं भेजे जा सकते व अगस्त माह में ही फार्म भेजे जाएँगे। सभा की तरफ से जीएमएस से अनुरोध किया गया कि पांवटा मोहयाल सभा से Recommended Forms अगस्त माह में स्वीकार किए जाएँ।

उपस्थित महिलाओं द्वारा पांचवी चिट्टी निकाली गई जो कि श्रीमती सुदेश बाली जी ने नाम रही।

श्री परवीन दत्ता जी ने 250 रु. मोहयाल सभा पाँवटा साहिब व 250 रु. जीएमएस को भेंट किए।

अगली मीटिंग श्री मुनीष वैद जी के निवास स्थान आर्दश कालोनी, जामनीवाला रोड, पांवटा साहिब में शाम 4:30 बजे दिनांक 03.08.2014 को रखी गई।

सभा की तरफ से श्री परवीन दत्ता जी का चाय–पान के आयोजन के लिए धन्यवाद किया गया। शांति पाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

सूरज प्रकाश बाली	***अरुण छिब्बर***	***अशोक मेहता***
प्रधान	*महासचिव*	*सचिव*

देहरादून

दिनांकः 03.08.2014
स्थानः मोहयाल भवन देहरादून
उपस्थितः 20
अध्यक्षताः श्री राजेश मोहन

मोहयाल सभा देहरादून की मासिक बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सर्वप्रथम यशवंत दत्ता ने दिल्ली में रायज़ादा बी. डी. बाली जी की अध्यक्षता में हुई युवाओं की मीटिंग के बारे में जानकारी दी तथा उनका ये सन्देश हर मोहयाल हर युवा तक पहुँचे से अवगत करायी। इसके उपरान्त "मोहयाल प्राइड श्री एस.के. छिब्बर" जी ने देहरादून मोहयाल डायरेक्टरी पर गंभीर चर्चा की तथा इसे जल्द प्रकाशित किए जाने पर जोर दिया। श्री एस.के. छिब्बर जी को देहरादून मोहयाल डायरेक्टरी का जिम्मा सौंपा गया और मीटिंग की कार्यवाही लिखे जाने तक उन्होंने प्रूफ रीडिंग के लिए पहली कॉपी सदस्यों को वितरित कर दी।

"मोहयाल प्राइड श्री एन.के. दत्ता" जी ने सभी को 15 अगस्त पर मोहयाल स्कूल में आमंत्रित किया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल प्राइड प्रो. जसवंत सिंह बाली बहुत समय बाद अपने दिल्ली प्रवास से देहरादून लौटे और उन्होंने मीटिंग में हिस्सा लिया सभा की और से प्रधान राजेश मोहन ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनन्दन किया।

सहयोगः हमारे एक मोहयाल भाई जो दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे उन्हें 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिसमें सभा की ओर से 5,000 व शेष 5,000 की राशि चौधरी भूपिंदर दत्ता, बक्शी लक्ष्मिन्दर छिब्बर, यशवंत दत्ता व एडवोकेट प्रमोद मेहता द्वारा प्रदान की गई।

सभी मोहयाल बन्धुओं ने मिलकर मोहयाल प्रार्थना की व मोहयाल स्कूल के मैनेजर श्री एस.के. दत्ता जी को मीटिंग की व्यवस्था व जलपान के लिए धन्यवाद दिया। यशवंत दत्ता ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

-यशवंत दत्ता, *महासचिव*
मो. 09358321592

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 03 अगस्त 2014 को जंज घर मार्डन कॉलोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

शोक समाचार- सभा की कार्यवाही सभा के सरप्रसत मेहता रामप्रकाश जी छिब्बर को श्रद्धांजलि देने के उपरान्त समाप्त कर दी गई।

1. मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप के प्रमुख सलाहकार एवं सभा के सरप्रसत मेहता रामप्रकाश जी छिब्बर के निधन पर दो मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। मेहता रामप्रकाश जी छिब्बर बहुत ही कर्मठ एवं मृदूभाषी थे मेहता रामप्रकाश जी सभा के महासचिव श्री सूरेन्द्र मेहता जी के पिता जी थे। मेहता जी की रस्म–पगड़ी स्थानीय लाल द्वारा में दिनांक 2 अगस्त को हुई। जिसमें भारी संख्या में बिरादरी के लोग एवं रिश्तेदार एवं हरियाणा की सभी राजनीतिक पार्टीयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्य रूप से केन्द्रीय मंत्री किशनपाल गुज्जर उपस्थित रहे। मेहता रामप्रकाश छिब्बर जी के देहांत से मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप को निजी हानी हुई है। सभा के प्रति उनके कार्य सदैव याद रखे जाएंगें।

2. मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप श्री मोनु वेद सिमली गाँव बराड़ा निवासी जिनका एक्सीडेंट में देहांत हो गया था सभा उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करती है। श्री मोनु वेद सभा के यूथ सचिव एडवोकेट अशोक बाली जी के भाई थे इस अवसर पर सभा को 100 रुपए दान में दिए।

3. सभा श्री ए.एस. मेहता भिमवाल निवासी फरीदाबाद के निधन पर दुःख प्रकट करती है। उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

अंत में प्रधान जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। सभा की अगली बैठक दिनांक 07.09.2014 को जंज घर मार्डन कालोनी में होगी।

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव* ***सतपाल बाली,*** *सचिव*
मो. 093553108801

नजफगढ़, नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 की अगस्त 2014 मास की बैठक 03.08.2014 को प्रधान ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 8 बहन–भाई उपस्थित हुए। जुलाई महिने की कार्यवाही और लेखा–जोखा का अनुमोदन किया।

शुभ समाचारः प्रधान जी ने सूचित किया कि श्रीमती राधिका दत्ता एवं श्री दीपेश दत्ता के घर पुत्र ने 19.07.2014 को जन्म लिया। सभी सदस्यों ने श्री हर्ष दत्ता (सचिव) को पोते के जन्म पर बधाई दी। इस शुभ अवसर पर श्री हर्ष दत्ता जी ने सभी सदस्यों को मिठाई बांटी और सभा को 251 रुपए की दान राशि भेंट की। सबकी ओर से बधाई एवं धन्यवाद।

किसी कारणवश लम्बे अंतराल के पश्चात श्रीमती कृष्णा बाली धर्मपत्नी स्व. गुलशन बाली प्रथम बार सभा की बैठक में पधारी। सभी सदस्यों ने श्रीमती कृष्णा बाली का सभा में पुनः पधारने का स्वागत किया। श्रीमती कृष्णा बाली जी जनरल मोहयाल सभा एवं मोहयाल सभा नजफगढ़ की वार्षिक सदस्या बनी और सदस्यता शुल्क भेंट किया।

प्रधान जी ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे बैठकों में अवश्य उपस्थित हुआ करें और सभा के हित के लिए अपने बहुमूल्य विचार चर्चा के लिए प्रस्तुत किया करें।

निजी पारिवारिक मुद्दों पर सदस्यों ने चर्चा की और इनका समाधान निकाला।

चर्चा के लिए कोई खास मुद्दा न होने के कारण सदस्यों के आपसी मेल–मिलाप के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

सितम्बर 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में 07.09.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन किया। प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों का बैठक में स्वागत किया।

ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर, *प्रधान*
मो. 9210869406

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग मोहयाल आश्रम यमुनानगर में श्रीमती पम्मी द्वारा की गई सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई।

सभा में नये सदस्य बनाने पर जोर दिया गया सभा में सभी बहनों से जीएमएस के आजीवन सदस्य बनाने पर जोर दिया गया।

सभा में श्रीमती सुनिता दत्ता, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्रीमती सूरज वैद और श्रीमती भगीरथी बाली ने अपने विचार रखे।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभा में श्रीमती गायत्री दत्ता धर्मपत्नी स्व. श्री राजेश्वर दत्ता अशोक विहार, दिल्ली से आई, उन्होंने कहा कि मुझे सभा में आकर बड़ी प्रसन्नता हुई, उन्होंने स्त्री सभा यमुनानगर को 250 रु. दान दिए, सभा की तरफ से उन्हें धन्यवाद दिया गया।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732–226799

अंबाला कैंट

6 जुलाई 2014, शाम 5 बजे श्री नरेश वैद जी के निवास स्थान पर प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर जी की अगुवाई में सभा की कार्यवाही शुरू हुई, जिसमें 18 मोहयाल भाई बहनों ने उपस्थिति दर्ज की। प्रधान जी ने श्रीमती शशि मेहता जो पहली बार सभा में आई, का स्वागत करते हुए सदस्यों से परिचय कराया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मन्त्रोच्चारण बाद आर.के.सी. दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता के लिए जीएमएस द्वारा भेजे गए फार्म दिए गए, जिसकी अंतिम तिथि 31.07.2014 है। साथ ही प्रतिभाशाली विद्यार्थी जिन्होंने 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करके पास की है उनकी भी एप्लीकेशन जीएमएस में 31.08.2014 तक पहुँच जानी चाहिए। यही भी निर्देश दिए कि सब कॉलम ठीक तथा साफ–साफ भरें। श्री बी. के. वैद जी ने बताया कि प्लाट की एप्लीकेशन डी.सी. अंबाला द्वारा म्यूंसिपल कार्पोरेशन को उचित कार्यवाही के लिए भेज दी गई है। प्रधान जी ने मेजवान वैद परिवार का धन्यवाद किया।

■ दिनांक 3.08.2014 श्री आईआर छिब्बर प्रधान की अगुवाई में 135 दयालबाग पर सभा आरंभ हुई। जिसमें 10 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद महासचिव एम.एल. दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

प्रधान जी ने सभा सदस्यों को अपने संबोधन में व्यक्त किया कि मोहयालियत को कायम रखने के लिए हर सदस्य का दायित्व बनता है कि युवा पीढ़ी को जागृत करना कि मोहयाल एक मार्शल कौम है, जिसने अपने धर्म की खातिर जीवन बलीदान कर दिया उनकी वीर गथाएं आज की पीढ़ी को सुनाएं तथा सभाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित करें ताकि भविष्य में कौम व समाज के कर्णधार बन कर उत्तरदायित्व लें, जिससे संगठन अटूट रहे तथा प्रेम भावना बढ़ती रहे। आर्थिक स्थिति में कमज़ोर परिवारों की पहचान हो तथा उनकी सहायता करने की कोशिश करें।

श्रद्धांजलिः स्व. कैप्टन पारस राम वैद जी को याद किया गया तथा उनके समाज व मोहयालियत के प्रति नेक कार्यों को सराहा गया तथा सदन ने दो मिनट का मौन रखकर कै. पी.आर. वैद जी की पवित्र आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान 2013–2014 के लिए फार्म जीएमएस को 31.08.2014 तक तथा जरूरतमंद विद्यार्थीयों की एप्लीकेशन भी 31.08.2014 तक पहुंच जाना चाहिए। यह भी सुझाव दिया कि प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान हेतु 2014 की 10वीं व 12वीं परीक्षा में 80 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले छात्रों को लोकल सभा भी सम्मानित करेगी।

सदस्यों को अवगत कराया गया कि विधवा श्रीमती कर्मजीत कौर छिब्बर को उसके बेटे की पुस्तकें खरीदने के लिए लोकल सभा ने 3100 रु. की आर्थिक सहायता की है। श्रीमती कंचन वैद जिनके पति की मृत्यु 10.02.2014 को हो गई, उसका विवरण मोहयाल मित्र जुलाई अंक 2014 में प्रकाशित हुआ, जिससे पढ़कर इंगलैंड में बसे हुए मेहता (छिब्बर) परिवार ने श्रीमती कंचन वैद के बैंक एकाउंट में 5000 रुपए सहायता के रूप में भेंट किए, मोहयाल सभा इस नेक कार्य के लिए मेहता साहिब का धन्यवाद करते हुए उनकी लंबी आयु की कामना करती है।

एचएफओ एमएल दत्ता द्वारा सुझाव दिया गया कि इस दीवाली पर्व को मोहयाल परिवारों सहित योजनावद कार्यक्रम के अंर्तगत मनाया जाय। जिसमें तंबोला, चेयर रेस, बच्चों की गेम्ज़ आदि शामिल हों जो कि मनोरंजन भरा हो। सबने इसका स्वागत किया।

श्री एस.के. मेहता छिब्बर जी ने अपने बेटे राहुल मेहता के शुभ जन्मदिन पर 150 रु. सभा को भेंट किए। श्री एस.के. मेहता ने अपनी दोहती दिया दत्ता 10वीं में ए ग्रेट की है, कु. रिया दत्ता आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार की विद्यार्थी है। इस शुभअवसर पर मेहता जी ने जीएमएस तथा लोकल सभा को 100–100 रु. भेंट किए। सभा न उनका धन्यवाद किया। कु. रिया दत्ता के लिए ढेर सारी शुभ कमानाएं करती है।

दान राशिः सर्वश्री आई.आर. छिब्बर 500 रु., धर्मेंदर वैद 500 रु., एमएल दत्ता 200 रु., कमा. पी.आर. मेहता 200 रु. धर्मवीर बाली 200 रु. सू.मे. आर.के.सी. दत्ता 200 रु.

अगली मीटिंग 07.09.2014 को एमएल दत्ता जी के निवास स्थान पर होने का आग्रह हुआ। प्रधान जी ने यजमान वैद परिवार का धन्यवाद करते हुए सभा समाप्ति की।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो. 9416464488 *मो. 9896102843*

अबोहर (पंजाब)

सभा की मासिक बैठक चीफ पैट्रन श्री मेहता शिव कुमार भीमवाल की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान सिरदार पुरा जीवन जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) में दिनांक 30.07.2014 को सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात यमुनानगर (हरियाणा) के स्व. श्री रामप्रकाश जी मेहता (छिब्बर) जोकि श्री नरेन्द्र मेहता जी प्रधान मो.स. पानीपत के पिता थे का स्वर्गवास 24.07.2014 को यमुनानगर में हो गया। इस दुःख की घड़ी के मौके पर अबोहर मोहयाल सभा के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमात्मा जी से प्रार्थना की।

श्री मैहता विश्वामित्र भीमवाल जी ने सूचित किया कि जैसा कि पहले 08.07.2014 वाली सभा में बताया गया था मेहता श्री देवेन्द्र कुमार भीमवाल के घर कि आगामी सभा 02.08.2014 को मेहता अमरदीप भीमवाल के निवास स्थान पर होनी है। किन्तु स्व. श्री रामप्रकाश मेहता जी की रस्म–पगड़ी दिनांक 02.08.2014 को

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

यमुनानगर में होनी है इसलिए 02.08.2014 वाली सभा स्थगित करनी पड़ी तथा अगस्त मास वाली सभा 30.07.2014 को गांव सिरदार पुरा जीवन में।

मैहता देवेन्द्र कुमार भीमवाल जी ने सुझाव दिया कि और अधिक जीएमएस के आजीवन सदस्य बनाए जाएं तो जीएमएस के वार्षिक सदस्य बने उन्होंने कहा कि वे जनवरी 2015 से आजीवन सदस्य बन जाएंगें।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई सभा आयोजन व बढ़िया जलपान के लिए भीमवाल परिवार की बहुओं का एवम् मेहता ललित कुमार भीमवाल जी का धन्यवाद किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

बरारा

सभा की मासिक बैठक दिनांक 03.08.2014 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान पर हुई। सभा का प्रारम्भ गायत्री मंत्रोच्चारण से हुआ। लगभग 12 सदस्यों ने भाग लिया।

सभा की कार्यवाही सेक्रेटरी रविन्द्र कुमार छिब्बर जी ने पढ़कर सुनाई। सभा में यह विचार किया गया कि स्त्रियों व युवा सदस्यों को भी सभाओं में भाग लेना चाहिए। सभी सदस्यों ने इसका स्वागत किया।

अन्त में भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी ने प्रधान हरदीप सिंह वैद जी को जलपान का धन्यवाद किया।

-रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड पर हुई। श्री पी. पी. मोहन जी के पोते शुभम मेहता द्वारा दसवीं श्रेणी में सीबीएससी में 10 में से 9.6 ग्रेड लेने पर सभी ने उन्हें बधाई दी तथा उन्होंने 100 रु. होशियारपुर मोहयाल सभा को दिए। श्री विजयंत बाली जी ने कहा कि उन्होंने गाँव नगल खुर्द में बालियों का जठेरों का मेला देखा, वहाँ वह परिवार सहित गए तथा उन्होंने वहां पर सभी को जीएमएस की गतिविधियों से अवगत करवाया। वहां भारी संख्या में बाली परिवार के लोग पहुँचे हुए थे।

इस अवसर पर वरिन्द्र दत्त वैद, पवन मेहता, अरविन्द मेहता, मनोज दत्ता श्री पी.पी. मोहन, श्री इन्द्र मोहन बाली उपस्थित थे।

मनोज दत्ता *(मो. 9463766261)*

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 03 अगस्त 2014 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 24 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद–

शोकः श्री ए.एस. मेहता ई.आर. जिनका निधन 13 जुलाई को हुआ, उनकी आत्मा की शांति के लिए सभी भाई बहनों ने दो मिनट का मौन धारण किया।

श्री आर.एल. वैद जो हमारे पुराने सदस्य हैं। अतः हमारी हर मीटिंग में हाजिर होते थे और श्री आर.सी. दत्ता जो मीटिंग के लिए घर से निकले थे, उनका अचानक एक्सीडैंट हो गया। हम सब प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि वैद साहिब और दत्ता जी का स्वास्थ्य जल्द ठीक हो अतः अगली मीटिंग में वह अवश्य उपस्थित हो।

रायज़ादा के.एस. बाली ने पिछले महीने की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। डॉ. मनोज मेहता (डायरेक्टर) Acter Eye Care जो अपना किमती समय निकाल कर मीटिंग में उपस्थित हुए। सभी ने उनके मीटिंग में आने का स्वागत किया। उन्होंने यूथ के लिए अपने बनाए हुए कुछ प्रोग्राम भी बताए। श्री रमेश दत्ता जी ने उनसे प्रार्थना की कि आज हमारी सभा में गर्मी के कारण उपस्थिति कम है। हम एक या दो माह में प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान करेंगे। अतः उम्मीद करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा नौजवान उपस्थित हों। उस दिन आप समय निकाल कर युवाओं को कुछ सलाह दें। जिसे मनोज मेहता जी ने सहर्ष स्वीकार किया।

श्री के.एस. बाली ने बताया कि दसवीं तथा बारहवीं के बच्चे 31 अगस्त तक अपने नाम हमें एवम् जी.एम.एस. को भेजें ताकि कोई बच्चा रह ना जाए।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि सभा के लिए एकत्र कीः–

श्री सतनाम सिंह दत्ता जी (मंगल) ने 1100 रु., श्री नगेन्द्र दत्ता ने अपने बेटे नितिन दत्ता के जन्मदिन पर 500 रु., श्री जगदीश लाल मेहता ने अपनी पत्नी की पुण्य तिथि पर 250 रु., श्री नरेश कुमार ने 100 रु. सहयोग राशि के रूप में दिए।

श्री राजेन्द्र मेहता ने योगा से सबको अवगत करवाया। श्रीमती बाला बाली जी ने 15 अगस्त का गीत गाकर एवं नगेन्द्र दत्ता के पुत्र नितिन दत्ता जिसका जन्मदिन 20 अगस्त को है अपनी तरफ से एवं सभा की तरफ से भजन के रूप में दीर्घ आयु की कामना की।

श्री रमेश दत्ता ने सभी को अवगत करवाया कि मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी का 11 अगस्त को जन्मदिन है। सभी भाई–बहनों ने बाली जी के कार्यों की सराहना करते हुए उनकी दीर्घ आयु की कामना की। श्री रमेश दत्ता ने श्रीमती एवं श्री नगेन्द्र दत्ता जी के बेटे को अपनी एवम् सभा की तरफ से बधाई दी तथा बताया आज का लंच श्री नगेन्द्र दत्ता की तरफ से है। सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया एवं सभी ने नगेन्द्र दत्ता जी को मुबारिकबाद दी। श्री रमेश दत्ता जी ने अवगत करवाया कि अगले माह की मीटिंग 7 सितम्बर को मोहयाल भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9999078425

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

उत्तम नगर, नई दिल्ली

उत्तम नगर सभा की त्रिमासिक मीटिंग दिनाँक 03.08.2014 को एफ–30 ओम विहार, उत्तम नगर श्री अविनाश दत्ता जी के निवास स्थान पर प्रधान आर.के. मोहन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा में 52 सदस्यों ने भाग लिया। सभा का मुख्य आकर्षण श्री पी.के. दत्ता (उपप्रधान जीएमएस) तथा श्री योगेश मेहता (सचिव यूथ विंग कल्चर अफेयर) का विशेष अतिथि के रूप में पधार कर मोहयालों

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

को मोहयाली भावना के विशेष गुणों से अवगत करवाना तथा युवाओं को आगे आकर बिरादरी का नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त करने के गुर सिखाता रहा।

गायत्री मन्त्र तथा मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त आर.के. मोहन ने श्री पी.के. दत्ता जी का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए आग्रह किया कि अगर एक कम्प्यूटर सेंटर (ट्रेनिंग) उत्तम नगर क्षेत्र में जीएमएस द्वारा खुलवा दिया जाए तो आस–पास की कालोनियों के कम आय वाले काफी मोहयाल इसका लाभ उठा सकेंगे। श्री पी.के. दत्ता ने युवाओं को कहा कि आप अपनी योग्यता साबित करें और मेरी ओर से प्रत्येक प्रकार का सहयोग सभा को मिलता रहेगा। मैं प्रत्येक युवा को कम्प्यूटर शिक्षा से लेकर रोजगार तक का अवसर भी देने को तत्पर हैं। परन्तु आपको अपनी क्षमताओं पर विश्वास होना चाहिए। महान् व्यक्तित्व के स्वामी तथा सादगी की मूर्ति श्री पी.के. दत्ता जी की सदस्यों ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

प्रचार सचिव श्री विनीत बक्शी के प्रश्न पर श्री योगेश मेहता जी ने जीएमएस द्वारा संचालित किए जाने वाले युवाओं के कार्यक्रमों की रूपरेखा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए युवाओं का आह्वान किया कि वे जीएमएस के प्रत्येक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर लाभ उठा सकते हैं तथा युवाओं की मीटिंग में अपना विचारित प्लान भी सभा में विचार के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं।

उत्तम नगर सभा के शुभचिन्तक तथा मोहयालों के परिचित सहयोगी श्री नरेश कुमार (प्रधान INTUC दिल्ली प्रदेश) का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए श्री विनीत बक्शी ने सभा को बताया कि नरेश कुमार जी उत्तम नगर की सुविधा के लिए सभा हेतू अपने ऑफिस में स्थान देने को सहमत हैं। श्री नरेश कुमार जी ने उत्तम नगर सभा को प्रत्येक अवश्यकता पर सहयोग देने की सहमति व्यक्त की तथा सभा द्वारा किए जा रहे कल्याण कार्यों की प्रशंसा भी की।

श्री पी.के. दत्ता जी तथा श्री योगेश मेहता ने उत्तम नगर सभा की प्रशंसा करते हुए और अधिक कल्याणकारी योजनाओं को लेकर प्रत्येक मोहयाल को सभा के साथ जोड़ने पर बल दिया।

प्रधान आर.के. मोहन ने अपने पिता गोविन्द राम मोहन ट्रस्ट के अंतर्गत प्रतिवर्ष दो पुरुस्कारों की घोषणा की। पहला वरिष्ठ सक्रिय मोहयाल उत्तम नगर क्षेत्र वर्ष 2014 का पुरुस्कार श्री पी.के. दत्ता द्वारा महासचिव श्री एस.पी. वैद को दिया गया तथा दूसरा युवा सक्रिय मोहयाल उत्तम नगर क्षेत्र वर्ष 2014 का पुरुस्कार श्री योगेश मेहता द्वारा श्री विनीत कुमार बाली की प्रेरणा पर युवाओं ने स्टेज पर अपनी रुचि अनुसार प्रस्तुती देकर पुरुस्कार में ट्रापी पैक का आनन्द उठाया।

उत्तम नगर सभा की ओर से मुख्य अतिथियों को सम्मान सूचक ट्रापी भेंट की गई। श्री पी.के. दत्ता जी ने सभा को 2000 रुपए, योगेश मेहता जी ने 1000 रु. तथा श्री नरेश कुमार व उनकी टीम ने 1601 रु. (ईंटक की ओर से) सहयोग स्वरूप भेंट किए। उपप्रधान श्रीमती सुमेदा वैद ने अपने पौत्र देव वैद के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक सौ एक रु. जीएमएस और एक सौ एक रु. लोकल सभा को भेंट किए।

आज की सभा को सफल बनाने का श्रेय अन्य कार्यकर्त्ताओं के अलावा विशेषतया युवा प्रचार सचिव श्री विनीत बक्शी को जाता है। जिन्होंने अपने सारे निजी कार्यों को छोड़कर सभा हेतू वन मैन आर्मी की तरह दिन–रात कठोर परिश्रम तथा व्यवहारिक प्रयास करने अन्त तक जारी रखे।

अतिथियों को हार्दिक धन्यवाद तथा सभा की ओर से हल्का जलपान के साथ पूर्ण प्रसन्नता के वातावरण में कार्यक्रम सम्पन्न घोषित किया गया। सितंबर की मीटिंग 07.08.2014 को फ्लेट नं. 103, मनसा रामपार्क में होनी निश्चित हुई है।

आर.के. मोहन, *प्रधान (मो. 9654941010)*

मोहयाल आश्रम वृंदावन लंगर फण्ड

सांई इतना दीजिए जामे कुटुंब समाये
मैं भी भूखा ना रहुं साधु ना भूखा जाये

ऐसे आदर्शों पर जीवन व्यतीत करने वाले हमारे पूज्य पिताजी स्व. **डा. सतपाल मोहन** 'सादा जीवन उच्च विचार' में विश्वास रखते थे। उन्होंने जीवन में कई आभाव देखे लेकिन जीवन में उतार चढ़ाव के बावजूद उनके विचारों में कोई बदलाव नहीं आया। वाक्पटु होने के साथ–साथ दुनिया के हर विषय में वे पारंगत थे। यदि कुछ क्षण के लिए उनके पास कोई बैठ गया तो उसकी झोली में ज्ञान के मोती जरूर गिरते थे, चाहे राजनीति, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र अध्यात्म

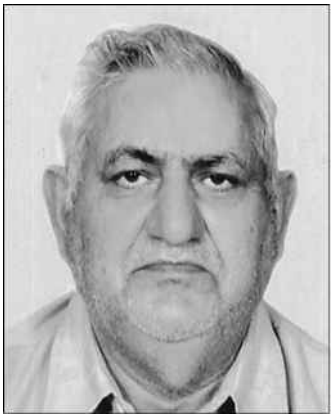

या फिर रिश्ते संबधों की बातें उनके पास हर व्यक्ति के व्यक्तित्व के अनुसार बातों का पिटारा होता था। दुनियावी तौर पर शायद बहुत बड़ा ना करके गए हो, पर अपने चार बच्चों एवं नाती, पोतियों को वे इतना सिखा गए हैं कि उनके उसूलों पर चलकर वे भी समाज के लिए कुछ कर सके।

अन्न दान महादान, अन्न का करो सदा सम्मान उनके इन विचारों को ध्यान में रखते हुए उनकी पत्नी श्रीमती डॉ. सुदर्शन मेहता ई–39, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, मो.8800296352 ने मोहयाल आश्रम वृंदावन के लंगर फंड में 11000 रु. भेंट किए।

लंगर की तिथिः 17 अप्रैल

■ मैं अपने **भाई महात्मा गुरचरण दास,** मूल नाम **मेहता खुशवन्त सिंह दत्त** की याद में 11000 रुपए वृंदावन मोहयाल आश्रम लंगर फंड में भेंट दे रही हूँ।

लंगर तिथिः 3 फरवरी

–लज्जा देवी मोहन, पानीपत

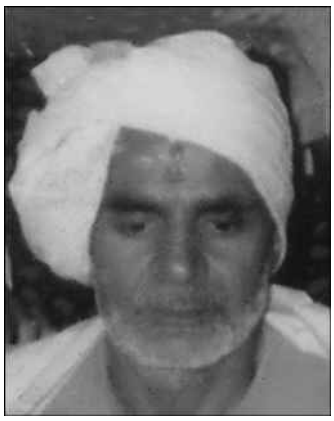

भूल सुधार

अगस्त माह के अंक के पेज संख्या 35 में श्रीमती सुशीला मेहता के स्वर्गवास के 19वें लाईन में अशोक मेहता की जगह पर अशोक मेहतर छप गया है कृपया अशोक मेहता पढ़ें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री रामप्रकाश मेहता का स्वर्गवास

श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) जी का 24 जुलाई 2014 को यमुनानगर में स्वर्गवास हो गया। वे स्व. भाई हाकम राय छिब्बर तथा स्व. श्रीमती वीरांवाली छिब्बर जी के सुपुत्र थे। उनका जन्म गाँव भल्ला करियाला तहसील चकवाल जिला झेलम में हुआ था। भाई हाकम राय जी जेल विभाग में काम करते थे। श्रीमती वीरांवाली जी कुछ ही वर्ष पहले लगभग 106 वर्ष की आयु में स्वर्गवासी हो गयी थी। श्री रामप्रकाश मेहता बिजली विभाग से सेवानिवृती के पश्चात बहुत अच्छा जीवन जी रहे थे। 12 नवम्बर 2014 को उनकी आयु 70 वर्ष होनी थी।

मेहता जी बड़े ही सरल मिलनसार तथा धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। सबके सुख दुःख में शामिल होना उनकी दिनचर्या में शामिल था। प्रत्येक रविवार श्री लाल द्वारा मंदिर में सत्संग के लिए जाते थे। साथ ही भाईमती दास गुरुद्वारा, बुडिआ से भी उनका विशेष लगाव था। वे एक कट्टर मोहयाल थे, अपने दोनों भाइयों तथा पांचों बेटों की शादियां उन्होंने मोहयाल बिरादरी में की। स्थानीय मोहयाल सभाओं की बैठकों में तो वे नियमित रूप से शामिल होते थे। साथ ही जीएमएस के महत्वपूर्ण समारोह में भी जरूर जाते थे। वह पानीपत मो.स. के सचिव नरेन्द्र छिब्बर, दैनिक ट्रिब्यून के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मेहता, साया चैनल के संवाददाता देवेन्द्र मेहता, सतपाल मेहता तथा वीरेंदर मेहता के पिता जी थे।

उनकी रस्म पगड़ी पर 2 अगस्त 2014 को श्री लाल द्वारा मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई, जिसमें भी राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक, शिक्षण संस्थाओं के आलावा मोहयाल बिरादरी के लोगों ने शिरकत की जिनमें श्री कृष्णपाल गुज्जर (केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार), राम बिलास शर्मा (प्रांतीय अध्यक्ष, हरियाणा भाजपा), कँवलपाल (प्रांतीय महासचिव भाजपा), रोज़ी मलिक (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा), पूर्व मंत्री डॉ. कमला वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सतपाल कौशिक, ईनोलो नेता अशोक शर्मा व श्रीमती विजय बब्बर, दयाल सिंह शिक्षण संस्थान के चेयरमैन सेवानिवृत्त आई. जी. राव मोहन लाल, डी.ए.वी. शिक्षण संस्थाओं के क्षेत्रीय चेयरमैन विजय कपूर, डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एम.सी. शर्मा, गुरु खालसा शिक्षण संस्थाओं के साथ साथ मोहयाल बिरादरी से श्री ऋत मोहन, जे.पी. मेहता, दर्शनलाल बाली, राजीव छिब्बर, विश्वामित्र भीमवाल, विपिन मोहन, विनोद मेहता, विजय मेहता, नरेश मेहता तथा पत्रकार जगत से भारी संख्या में प्रतिनिधियों के अलावा वरिष्ठ पत्रकार अश्विनी दत्ता ने भी श्री रामप्रकाश मेहता को श्रद्धासुमन प्रकट किया।

मेहता जी के परिवार में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शीला देवी, भाई श्री कीमत प्रकाश छिब्बर व सुभाष छिब्बर हैं। सुपुत्र श्री नरेन्द्र छिब्बर, सुरेन्द्र मेहता, देवेन्द्र मेहता, सतपाल मेहता तथा वीरेंदर मेहता हैं। बहुएं–श्रीमती अंजू छिब्बर, मधु मेहता, अलका मेहता, मीनू मेहता व रित्तु मेहता–पोते–पवन, समिल, गौरव, यश, व तुषार तथा पौत्रियां–ऋचा, कंचन व भाविका मेहता है।

परिवार ने इस मौके पर 5100 रुपए की राशि उनकी स्मृति में श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) ट्रस्ट बनाने के लिए भेंट की।–*ऋत मोहन*

श्री कुलभूषणलाल दत्ता जी का निधन

श्री कुलभूषण लाल दत्ता आयु 85 वर्षीय रिटायर पंजाब राज्य बिजली बोर्ड सुपुत्र स्वर्गीय श्रीमती लीलावंती व स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल दत्ता, कंजरूर बाहर वाली हवेली (पाकिस्तान) का निधन 21 जून 2014 को अचानक हृदयगति रूक जाने से हो गया। वे मेहनती, कार्यशील सुपुत्र श्री नरेन्द्र दत्ता के पक्षघात से विकलांग हो जाने का गम एवं 26 जनवरी 2014 को पत्नी का देंहांत हो जाने से दुःखी दत्ता जी अपने आपको संभाल पाते, 11 जून 2014 को उन्हें सबसे बड़ा सदमा अपने युवा दामाद ज्योति बख्शी (बंटी) के अचानक हृदयगति रुक जाने से देहांत हो गया। वह यह सदमा सह नहीं पाए, 21 जून 2014 को दामाद की क्रिया–रस्म पगड़ी वाले दिन दत्ता जी का अंतिम संस्कार किया गया।

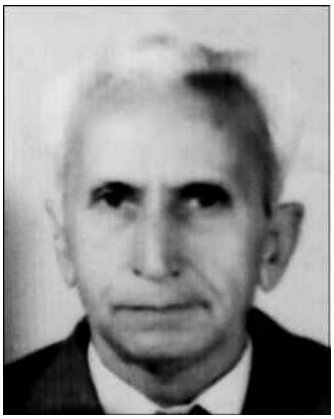

22 जून 2014 को उठाला (रस्म–पगड़ी) गोपाल मन्दिर पंजपीर में हुई। दत्ता जी अपने पीछे तीन पुत्र दो पुत्रियां, पौत्र, पौत्रियां छोड़ गए। मोहयाल सभा जलंधर के प्रधान व सचिव ने दुःख व्यक्त करते हुए कहा सभा परिवार के साथ हैं तथा ईश्वर दत्ता जी की आत्मा को शांति प्रदान करें। सुपुत्र नरेन्द्र दत्ता ने 200 रुपए मोहयाल विधवा फण्ड हेतु जीएमएस को अर्पित किए।

–अजय दत्ता (मो.) 9876240638

द्वितीय पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

श्रीमती प्रेमलता छिब्बर धर्मपत्नी सुरेन्द्रनाथ छिब्बर की द्वितीय पुण्य–तिथि 15 जुलाई 2014 को निवास स्थान 500, मॉडल कालोनी, यमुनानगर (हरियाणा) में हवन का आयोजन किया गया। स्वर्गीय प्रेमलता छिब्बर स्व. भाई मैयादास छिब्बर एवं स्व. मैनावन्ती छिब्बर (करियाला जिला चकवाल पाकिस्तान) और (जोगेन्द्रनगर हिमाचल प्रदेश) की पुत्र वधु तथा स्व. चमनलाल दत्ता एवम् श्रीमती कैलाश दत्ता (पेशावर एवं फरीदाबाद) की पुत्री और विनोद दत्ता, अशोक दत्ता की बहिन और बाला दत्ता, आशा दत्ता की भाभी थी। उनके परिवार में उनके पति सुरेन्द्रनाथ छिब्ब पुत्र कर्नल तरूण छिब्बर, अरूण छिब्बर व बहुऐं सपना छिब्बर, मंजु छिब्बर, पौत्रियां श्रुति, गीतांजलि, अनुराधा ननद शकुन्तला बाली ननदोई श्री ओम प्रकाश बाली एवं समस्त परिवार वाले उनको याद करता हैं। स्व. प्रेमलता को प्रभु में अटूट विश्वास था, वह निडर और आत्मविश्वासी थी। प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने चरणों में स्थान दें। उनकी द्वितीय तिथि पर समस्त परिवार ने 500 रुपए विधवा फंड हेतु जी.एम.एस. और 250 रु. मोहयाल यमुनानगर और 250 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को भेंट किए हैं।–*एस.एन. छिब्बर, मो. 09728300992*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

करयाला जिला चकवाल के स्वर्गीय श्री निरंजन दास मोहन तथा श्रीमती तुलसी मोहन की सुपुत्री तथा अब गैदां गली, करतारपुर, जिला जालंधर निवासी तथा श्री कस्तूरी लाल बाली पुत्र श्री दीना नाथ बाली की विधवा श्रीमती सावित्री देवी बाली ने वर्षों से अपनी मासिक पारिवारिक पेंशन से हर महीने बचत करके अपने पति की पुण्य तिथि पर 1100 रुपए विधवा फण्ड में दिए हैं।

श्रद्धांजलि

स्व. श्री हुकम चंद बक्शी (वैद) जिनका घर का नाम कीमत था उनका देहावसान 15.12.1995 को हुआ था। उनका जन्म 21 मई 1935 में डेराबक्शियां, जिला रावलपिंडी, तहसील कोहोटा में स्व. श्री चंदन लाल बक्शी (वैद) परिवार में हुआ था। मात्र 6 माह की आयु में ही उनकी माता श्रीमती भागवंती का निधन हो गया था।

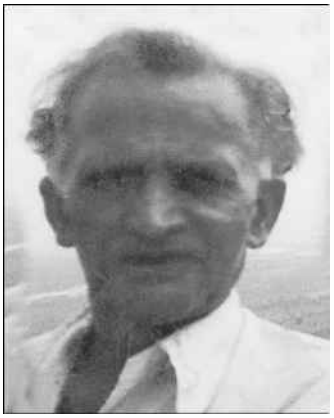

मेरे पिता जी को मेरी बुआ स्व. श्रीमती रामप्यारी मेहता जी जोकि उस समय 7 वर्ष की थी तथा मेरे दादाजी की देखरेख में उनका लालन–पालन हुआ था, परन्तु देश विभाजन के बाद वह महरौली, दिल्ली में आकर सैटल हो गए थे।

यहाँ आकर मेरे दादाजी ने बच्चों की शादियाँ की। मेरे दादा जी के तीन लड़के और एक लड़की थी। मेरे पिताजी की शादी **स्व. श्रीमती दमयंती देवी जी** के साथ 1957 में हुई थी। हम तीन भाई और एक बहन हैं तथा सभी सपरिवार दिल्ली में ही रहते हैं। मेरी माता जी का देहावसान 17 अक्तूबर, 2011 को हुआ था।

मेरे बड़े ताऊ जी का नाम स्व. श्री राम बक्शी तथा उनकी पत्नी का नाम स्व. श्रीमती वीरांवली था। मेरे छोटे ताऊ जी का नाम स्व. श्री कुलबीर चंद बक्शी था और उनकी पत्नी का नाम श्रीमती मोतिया रानी है तथा वह ही हमारे परिवार की मुखिया हैं तथा हम सभी भाई बहन उन्हीं से हर तरह का सलाह मशविरा एवं राय लेते हैं।

मैं प्रति वर्ष अपने माता–पिता के देहावसान की तिथि पर घर में हवन करवाता हूँ और ब्राह्मणों को भोजन तथा दक्षिणा आदि देता हूँ। मैं सभी भाई बहनों के साथ मिलकर उस परमपिता परमात्मा को याद करता हूँ कि वे मेरे पिता जी की आत्मा को शाँति प्रदान करें तथा आवागमन से मुक्त करके उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। आज के दिल मैं अपने परिवार की ओर से 22000 रुपए का दान 11000 मोहयाल आश्रम हरिद्वार और 11000 रु. वृंदावन मोहयाल आश्रम को समर्पित करता हूँ तथा सभी अपने मोहयाल भाई बहनों से निवेदन करता हूँ कि वे अपने मोहयाल कुटुंब का सादगी एवं मैत्रीभाव बनाए रखें एवं एकजुट रहें।*विमल कुमार बक्शी, 28, एकता अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली–31, मो. 9911125448*

आज की चुनौती

आज इक्सवीं सदी में हमारी बिरादरी की गंभीर समस्या है। अपने बच्चों का विवाह अपनी बिरादरी में करवायें। जिससे हमारी बिरादरी का उत्थान हो। जीएमएस का काफी योगदान है। हमारा भी कर्त्तव्य है। हम उनका साथ दे। आने वाली युवा पीढ़ी को अपनी मोहयालियत से अवगत करायें। इसके लिए अभिभावक सहयोग करें। मोहयाल युवक, युवतियाँ ऊँचे मुकाम तक पहुँचे। जिसके लिए रिश्ते–नाते मेला एवं शादी दरबार होते हैं। बच्चे आपस में मिलते हैं। अपने विचार–आदान प्रदान करते हैं। युवा मेले भी होते हैं। युवा बच्चों की मीटिंग भी करते हैं। हमारी कोशिश रंग ला रही है। मोहयाल कौम शेरे दिल कौम है। शेर वे होते हैं जो निर्भीक होते हैं। साहसी तथा गतिशील होते हैं। माता–पिता, परिवारजन एवम् मित्रों की भूमिका भी अहम होती है। वह परिवार मैं जैसा देखते हैं। वैसा ही करते हैं। युवक–युवतियों के अच्छे संस्कार परिवार से ही मिलते हैं। आज का युवक युवती बिरादरी में ही शादी करने का संकल्प लेता है। चाहे उसकी आयु जो भी हो। आजकल बच्चे स्वयं अभिभावक के साथ अपना शादी का रजिस्ट्रेशन फार्म भरके जाते हैं। पत्र द्वारा या फोन द्वारा हमें सूचित करते हैं। उनका विवाह सम्पन्न हो गया है। आप हमारा नाम लिस्ट से काट दे। बच्चों के विवाह पर निमंत्रण कार्ड आने पर जीएमएस का प्रतिनिधि मोहयाल हिस्ट्री सगन रूप आशिर्वाद स्वरूप देता है। मोहयाल रिश्ते–नाते मेले एवम् शादी दरबार जो तीन माह के अन्तिम रविवार को होता है। भारत के कोने–कोने से अभिभावक बच्चे भी आते हैं। जीएमएस के कार्य की सराहना करते हैं।

अभिभावक अपने विचार भी रखते हैं। कई बार शादी दरबार में एक ही मीटिंग में रिश्ते–नाते की बात हो जाती है। जीवन में सारी जरूरतें पूरी नहीं होगी। मेरे विचार से अभिभावकों को कुछ बातें छोड़ देनी चाहिए। बच्चें आपस में एक दूसरे को पसन्द करते हैं बात कर लेनी चाहिए, वरना बच्चों की उम्र बढ़ जाती है। ईश्वर से प्रार्थना करुंगी बच्चों को सद्बुद्धि प्रदान करें। हमारी बिरादरी उँचाईयां छुँए। आज के युवक, युवतियाँ अपनी बिरादरी में विवाह करें, इससे सबका आपस में मेल–मिलाप बढ़ेगा। हमारे प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी की अकांक्षा अवश्य पूरी होगी। जय मोहयाल, जय मोहयाल, जय मोहयाल!

–श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, *सेक्रेटरी रिश्ते–नाते, जीएमएस*
मो. 9968667740, 011–26518522

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor